ecoselva
weltwärts

सुगमकर्ताओं के लिए सहभागी–सीख अभ्यास हस्तपुस्तिका

टिकाऊ ग्राम विकास के लिये ग्राम–चौपाल

VAAGDHARA

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना	01
बैठक संख्या 1	07
बैठक संख्या 2	10
बैठक संख्या 3	14
बैठक संख्या 4	19
बैठक संख्या 5	22
बैठक संख्या 6	24
बैठक संख्या 7,8,9,10	25
बैठक संख्या 11	27
बैठक संख्या 12	28

प्रस्तावना

1 संक्षिप्त विवरण एवं महत्व

पिछले दर्शक में वागधारा के अनुभवों ने यह स्थापित किया है कि ग्राम विकास को टिकाऊ बनाने के लिये सरकारी योजनाओं से जुड़ाव की रणनीति को अपनाना आवश्यकता है, जो तात्कालिक एवं मूल रुकावटों को दूर कर सके। जानकारी के अभाव से लोक–कल्याणकारी योजनाओं तक सभी की पहुँच व लाभ प्राप्ति मे भेदभाव आदि इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वन को प्रभावित करते हैं। इस पुस्तिका का उद्देश्य सहभागी सीख एवं कार्य के माध्यम से ग्राम–चौपाल प्रक्रिया को पुर्नजीवित करके ग्रामविकास को टिकाऊ बनाना है। साथ ही इस कार्य के लिये, सरकारी योजनाओं तक समुदाय की पहुँच को सरल एवं मजबूत बनाना है। इस पुस्तिका का प्रयोग करके, सुगमकर्ता अभ्यास बैठकों का सुचारु संचालन करते हुऐ सीख समूह के सदस्यों को दिशा दिखाता है कि वे सतत विकास के परिपेक्ष मे गॉव के मुद्दों की चर्चा कर सके और गॉव के सर्वागीण विकास के महत्वपूर्ण विषयों को देख सके, विकास मे रुकावटों को समझ सकेंगे, और उपलब्ध योजनाओं के आधार पर जुड़ाव की ठोस रणनीतियॉ बनाकर, क्रियान्वित कर सकेंगे। निम्न बिन्दु इस कार्य को आसान बनाने मे मदद करते है।

- उपलब्ध योजनाओं (सरकारी और गैरसरकारी) की जानकारी और उनमें विकास की सम्भावनाओं को देखना।
- चर्चाओं और अनुभवों के माध्यम से सुविधाओं व अवसरों को जानना व जुड़ने के तरीकों की पहचान।
- सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका विकास, पोषण, संसाधन विकास, खेती सुधार, आदि की जानकारी प्राप्त करके उन तक पहुँचने के मार्ग सुनिश्चित करना।
- ग्रामविकास की गति को तेज करने व टिकाऊ बनाने के लिये, हमे ऐसी प्रक्रिया अपनाना होगी जिसमे खेती शिक्षा, आजीविका, पानी, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा, शिशु विकास व स्वास्थ्य् सेवा भी सम्मिलित हो।

इस पुस्तिका मे यह प्रयास किया गया है कि कैसे सक्रिय नेतृत्व, जानकार समुदाय, सामुहिक प्रयास और सरकारी योजनाओं से जुड़ाव गॉव के विकास का आधार बना सकते है, और सामुदायिक प्रकियाऐं कैसे उन्हें अपनी विकास आवश्यकताओं की प्राथमिकता निर्धारण करने मे प्रयोग करती है। कैसे संसाधनो को साथ जोड़कर योजनाओं के उपयोग की रणनीति तैयार करे, और समस्या समाधान की दिशा मे कार्य करे। योजनाओं से जुड़ाव पर जानकारी उन्हें, योजनाओं के सही उपयोग द्वारा परिवार को विकास प्रक्रिया मे जोड़कर स्थिति मे सुधार ला सकती है। यह पी.एल.ऐ. पुस्तिका सहभागी प्रक्रिया से सीखने के लिये बनाई गई है। यह ऐसे समाज एवं व्यक्ति के स्वस्थ तरीको एवं जीवनयापन को बढ़ावा देता है जिसमे गॉव का समुदाय "ग्राम–चौपाल" की प्रक्रिया से जुड़ाव को अपना सके और अपने गॉव मे विकास की प्रक्रिया को स्थापित कर सके। गॉव चौपाल मे विभिन्न योजनाओं के धीमे कियान्वन के पीछे छिपे कारणो को केन्द्रित करके कार्य करता है। जिससे उन तक पहुँच व उनके उपयोग मे सुधार हो।

हम मुख्य रूप से इस बैठक चक्र के माध्यम से 4 विभिन्न मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

सच्ची खेती

गॉव के प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन के कार्य जैसे जलग्रहण विकास, सामुदायिक वनीकरण वन अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, एवं टिकाऊ आजीविका के बीच सम्बन्ध स्थापित करना।

सच्चा बचपन

गॉव विकास को बाल–अधिकार के नजरिये से उपयुक्त बनाने के लिये योजना निर्माण एवं क्रियान्वन।

सच्चा लोकतन्त्र

छोटे ग्रामीण परिवारों के विकास अवसरों सरकारी और गैरसरकारी विकास योजनाओं तक पहुॅच को बढ़ावा देना।

अधिकारो के सम्बन्ध मे बेहतर जानकारी आर सरकारी सेवाओं की अधिक मांग व अन्य सहयोगी गतिविधियॉ जैसे स्थानीय सेवा प्रदाताओं मे सुधार की इन गतिविधियों मे मदद देते है।

चौथे क्रॉस कटिंग मुद्दे के रूप में, बैठकें **जनजातिय संस्कृति और परंपरा** का भी ख्याल रखती हैं।

सहभागी सीख एवं कार्य चक्र मे कई सारे प्रौढ़ उम्र मे सीखने को बढ़ावा देने वाले तरीके सम्मिलित किये गये हैं जिससे की समुदाय के सदस्य, विशेषकर कम साक्षरता के क्षेत्रों मे उनसे अपने कार्य को जोड़कर देख सके। इन तरीको या विधियों मे खेल या अभ्यास; कथा–कहानी; चित्रकथा; प्रदर्शन; सहभागी चर्चा आदि सम्मिलित किये हैं। बैठको का समय 2.30 से 3.0 घन्टे रखा गया है, सदस्य आगामी बैठक का स्थान, दिनांक व समय तय करते हैं। बैठक चक्र को 3 चरणों मे बॉटा गया है;

2 कौन भागीदारी करे?

सहभागी सीख का चक्र ग्रामविकास और उनके प्रभावी क्रियान्वन के लिये ग्राम–चौपाल के माध्यम से सरकार की योजनाओं से जुड़ाव पर आधारित है, जो गॉव मे सतत विकास की सामुहिक प्रक्रियाओं को स्थापित करता है। किसी युवक या युवती को अपनी आजीविका की शुरुआत के उपयुक्त अवसर प्रदान करके मदद कर सकते हैं। कमजोर एवं वंचित परिवारों के सदस्यों को बैठक मे भाग लेने के लिये प्रेरित किया जाना चाहिये। बैठक मे स्थानीय स्तर के सरकारी कर्मियों को भी भाग लेने के लिये प्रेरित करना चाहिये जिससे लोगो को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी मिले एवं विभिन्न सेवाओं तक पहुॅचने मे मदद मिल सके।

3 सुगमकर्ता और समुदाय समूह – भूमिका, जिम्मेदारियॉ और कर्तव्य

पी.एल.ए. बैठको का संचालन करने के लिये स्थानीय भाषा व परिपेक्ष जानना आवश्यक है। अतः सुगमकर्ता का चयन उस स्थान / स्थानीय क्षेत्र से ही होना चाहिये, जिस भाषा क्षेत्र मे पी.एल.ए. सीख –चक्र कियान्वित किया जाना है। सुगमकर्ता में अच्छी संवाद क्षमता, रिकार्ड रखने के लिये न्यूनतम साक्षरता, क्षेत्र मे आने–जाने के लिये आवागमन सुविधा व योग्यता, लोगो के समूह का प्रबन्धन करने की क्षमता, खुशहाल व्यक्तित्व, और नई बातें सीखने की चाहत व इच्छा।

सुगमकर्ता की भूमिकाऐं क्या है?

ग्राम विकास के टिकाऊ परिणामों के लिये महिला व पुरुष दोनो की भूमिका है, अतः समुदाय समूह मे क्षेत्र के परिवार से महिला व पुरुष दोनो उपस्थित हों व उनकी भागीदारी होना चाहिये। एक पी.एल.ए. समुदाय समूह की संख्या 40–50 के बीच अच्छा परिणाम देती है। सुगमकर्ता यह सुनिश्चत करे की गरीब व वंचित परिवारों के सदस्य भी भागीदारी करे।

सामुदायिक समूह और उनकी भूमिकाः

गॉव के विकास के लिये उठाये गये विभिन्न कदम और उनके लिये सरकारी योजनाओं से जुड़ाव के लिये किये जा रहे किसी भी ठोस कार्य का केन्द्र बिन्दु ग्राम चौपाल समूह रहेगा। अतः यह अपेक्षा है कि शुरुआत की बैठक मे सदस्य कम होंगे परन्तु धीरे–धीरे सदस्यों की बैठक मे नियमितता और अन्य सदस्यों को बैठक मे भाग लेने के लिये प्रेरित करने से इस चौपाल का महत्व बढ़ता जावेगा। क्योंकि सम्पूर्ण प्रकिया सामुदायिक निर्णयों पर आधारित हैं अतः यह आवश्यक है कि समूह सदस्य उपने क्षेत्र मे रणनीति के नियोजन, क्रियान्वन व मूल्यांकन की जिम्मेदारी स्वयं लें।

इससे अन्य सरोकारियों के साथ तालमेल बिठाना आवश्यक है अतः यह सुनिश्चित करना भी जरुरी है कि उन्हें अपने अधिकार की प्राप्ति हो सके, अन्य सदस्यों को लाये और योजनाओं से जुड़ाव के कार्यों के क्रियान्वन के लिये सभी उपलब्ध संसाधनो तक पहुॅच बनाये। क्योंकि सम्पूर्ण प्रक्रिया सामुदायिक निर्णयों से जुड़ी है व उन पर आधारित है, अतः यह आवश्यक है कि समूह सदस्य अपने क्षेत्र मे रणनीति के क्रियान्वन व मूल्यांकन की जिम्मेदारी स्वयं लें। इसमे अन्य सरोकारियों के साथ तालमेल बिठाना भी सम्मिलित है, अतः यह सुनिश्चित करें की उन्हें अपने अधिकार की प्राप्ति हो सके, अन्य सदस्यों को लाये और योजना के क्रियान्वन के लिये सभी उपलब्ध संसाधनों तक पहुॅच बनाये।

4 पी.एल.ए. – सहभागी सीख बैठक

पहली बैठक के समय सुगमकर्ता अपना परिचय दे व सभी समुह सदस्यों को अपना परिचय देने के लिये प्रेरित करे। ध्यान रखे कोई बात छूट न जावे। चर्चा की शुरुआत मे सम्बन्ध स्थापित करने व कुछ खेल अभ्यास करें। प्रत्येक सुगमकर्ता यह नियत करे की वह स्वयं का परिचय कैसे दे। वह फिर समूह को बताये की वह कोई प्रशिक्षक या स्वास्थ्य कार्यकर्ता या कोई शिक्षक नही है, पर फिर चर्चा मे लाये की दोनो भूमिका मे क्या अन्तर हैं। सुगमकर्ता दिशा दिखाने का कार्य नही करे वरन वे एक अच्छे श्रोता की भूमिका अपनाये वे समस्या पहचान नियोजन की प्रक्रिया को सहज व सरल बनाये। सुगमकर्ता समुदाय की सुने और सीखे और दुसरे समूह मे अपने अनुभव को बाटें व यदि उसे लाभदायक समझे तो अपनाये। सुगमकर्ता, समूह को प्रेरित करेगा कि वे यह चर्चा करे की एक अच्छे सुगमकर्ता के क्या गुण होना चाहिये जैसे

- सभी सहभागियों के साथ अच्छा सम्बन्ध।
- सभी सदस्यों को चर्चा मे भागीदारी के लिये प्रेरित करें, केवल कुछ सदस्यों को प्रक्रिया पर हावी न होने दें।
- समूह मे महिला सदस्यों की भी सुने व सीखे।
- स्थानीय शब्दों का प्रयोग करे जो सहभागी आसानी से समझ सके।
- स्थानीय संस्कृति को ठीक से समझता हो।

सदस्यों को चर्चा के लिये कहें व फिर चर्चा के लिये प्रेरित करें; उदाहरण; बैठक मे अपनी स्वतः प्रेरणा से भागीदारी करना; एक दुसरे को व वृहत समुदाय को मदद करना; अपने ज्ञान व अनुभव को बांटना, दूसरो की बात सुनना व उनकी राय को आदर देना और अपने निर्णय स्वयं लेना और समस्या समाधान के लिये साथ–साथ काम करना।

प्रत्येक बैठक के प्रारम्भ मे	बैठक की समाप्ति पर
• भागीदारों एवं समुदाय के अन्य सदस्यों के साथ अनोपचारिक बातचीत • भागीदारों को गोलाकार स्थिति में बैठने के लिये प्रेरित करे। • भागीदारों का स्वागत एवं आने के लिये धन्यवाद • मिटिंग/बैठक का उद्देश्य समझाना • रणनीतियों के कियान्वन की प्रगति का पुनरावलोकन	• बैठक की सीख का सारांश एवं अगली बैठक की विषय वस्तु का सारांश। • अगली बैठक के लिये स्थान, दिनांक एवं समय तय करना। • सहभागियों को बैठक में भागीदारी के लिये धन्यवाद देना व अगली बैठक के लिये और अधिक लोगो को लाने के लिये प्रेरित करना। • सुनिश्चित करें कि आवश्यक जानकारी लिखी गई हो।

5 सुगमकर्ता का प्रशिक्षण

सुगमकर्ता को 'सहभागी सीख चक्र' पर एक तीन चरण का प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है जिसमे 2 या 3 माह का अन्तराल हो, पी.एल.ए. बैठकों के मध्य समय अन्तराल मासिक के उपर निर्भर करेगी। प्रत्येक प्रशिक्षण लगभग तीन दिन का हो व प्रत्येक प्रशिक्षण मे 3 से 4 बैठकों की जानकारी सम्मिलित करे। पहला प्रशिक्षण चार दिन का हो सकता है ताकि सुगमकर्ता सहभागी सीख की अवधारणा व उसके सिद्धान्त को समझ सके। क्रियान्वन संस्था उपने कार्य क्षेत्र मे लागु एवं चल रहें सभी कार्यक्रमों सम्बन्धित तकनिकी संसाधन व कार्यक्रम/संस्थाओं सम्बन्धित जानकारी के विषय मे समय–समय पर सुगमकर्ता को जानकारी देते रहे। सुझाव है कि सुगमकर्ताओं के लिये मासिक रुप से बैठक कर आवश्यक मदद प्रदान करे जिससे स्थानीय समस्याओं का समाधान हो सके।

6 बैठको में क्या है

प्रथम चरणः स्थिति का आंकलन : इस चरण मे 4 बैठक होगी जिनमे खेती, प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक लाभ की योजनाओं से सम्बन्धित स्थिति व समस्याओं का आंकलन करने में मदद मिलेगी और सामुहिक समस्याओं की पहचान व प्राथमिकता निर्धारण मे मदद मिलेगी।

द्वितीय चरणः गतिविधि नियोजन एवं क्रियान्वनः इस चरण मे 2 बैठक होगी। जिसमे समुदाय के सदस्य प्रत्येक प्राथमिकता प्राप्त महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान व रणनीतियों को तय करेंगे।

तृतीय चरणः पुनरावलोकन इस चरण मे 2 बैठक होगी। जिसमे कार्य की रणनीतियों का क्रियान्वन करेंगे। इसमे उन सभी कामो की चर्चा करके उनसे सम्बन्धित योजनाओं से जुड़ाव के प्रयास किये जावेंगे। समूह सदस्य प्रत्येक बैठक मे मिलकर उन रणनीतियों का पुनरावलोकन करते हैं, उनके कियान्वन व प्रगति पर भी चर्चा करते हैं, जिससे की आने वाली बैठक के लिये तैयारी की जा सके और रणनीतियों का मूल्यांकन हो सके।

चौथा चरणः प्रगति का मूल्यांकन– इस चरण मे एक समूह बैठक और एक अन्तिम बड़ी बैठक होती है बारहवी बैठक– जिसमे समूह सदस्य ग्राम चौपाल के पुर्नस्थापन के अपने प्रयासों की रणनीति के बारे मे अपने कार्यो की प्रगति का मुल्यांकन कर सके।

बैठकों में चर्चा के संभावित मुद्दे

बैठक	सच्ची खेती	सच्चा बचपन	सच्चा लोकतन्त्र	जनजातिय संस्कृति
		स्थिति का आंकलन		
बैठक 1 सत्र 1 सहभागी सीख–चक्र का परिचय सत्र 2 गॉव की वर्तमान अवस्था की पहचान करना	गॉव के संसाधनो की वर्तमान स्थिति का आंकलन। संसाधनो से जुड़ी समस्याओं की पहचान। हम अच्छे किसानो की पहचान भी कर सकते हैं जो किसान पाठशाला के लिए प्रशिक्षक हो सकते हैं।	समूह के बच्चों की संख्या का आंकलन। आंगनवाड़ी, विद्यालय, स्वास्थय केन्द्र से बच्चों सम्बन्धित आंकड़े एकत्रित करना।	गॉव मे लोकतान्त्रिक संस्थाओं का इतिहास और बदलाव। गॉव की विभिन्न समितियों के बारे मे जानकारी एकत्र करना। बैठक के अंत में एक छोटी समिति तय करें जो सामूहिक संसाधनों को पुर्नजीवित करने के लिए सोचेगी	गॉव की उत्पत्ति और उसके इतिहास के बारे मे चर्चा।
बैठक 2 सत्र 1 समुदाय में सभी को जोड़ने की आवश्यकता सत्र 2 संवैधानिक अधिकार	कितने लोग पलायन कर रहे हैं और क्यों आत्मनिर्भर किसान बनने के लिए हमें किन चीजों की जरूरत है पलायन के सामाजिक प्रभाव	क्या हमारे सभी बच्चे स्कूल जाते हैं, विशेष रूप से लड़कियां	गर्भवती धात्री माताओ तक पहुँच कर पता करना कि उन्हें प्रसवपूर्व और प्रसव उपरान्त सेवाएँ मिल रही हैं या नहीं राशन दुकान की निगरानी गाँव में कौन सी प्रथाएँ हैं जो संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ जाती है	गॉव मे विकास का इतिहास।
बैठक 3 सत्र 1 बच्चों की	कृषि आजीविका, पोषण, विविधता कई और मुद्दों	आंगनवाड़ी, विद्यालय, स्वास्थय केन्द्र से	माताओं और बच्चों के लिए योजनाएं	बकरी पालन के लिये बीजू/नर बकरों की

वर्तमान स्थिति सत्र 2 कृषि का महत्व	से जुड़ी हुई है। जिनके पास पोषण बगीया नहीं है वो पोषण बगीया लगाना शुरू कर दें। अगली बैठक में प्रतिभागी इस पर अपनी योजना बना कर आयेंगे। यह गाँव की पारिस्थितिक स्थिति से कैसे संबंधित है (संदर्भ बैठक १)।	बच्चों सम्बन्धित आंकड़े एकत्रित करना। बच्चों के लिए पोषण की विशेष आवश्यकता, विशेष रूप से 6 महीने के बाद बच्चों के खेल मैदान गॉव मे बालमजदूरी और उसके आयाम	कृषि में सुधार के लिए योजनाएं	व्यवस्था तैयार करना और कियान्वन।
बैठक 4 सत्र 1 लिंग के आधार पर काम की भूमिका सत्र 2 भागीदारी	गॉव मे विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों	आशा है कि हम लड़कियों और लड़कों के बीच अंतर नहीं कर रहे हैं	यदि सदस्यों में से कोई भी ग्राम पेयजल स्वच्छता समिति, ग्राम स्वास्थ्य पोषण और स्वच्छता समिति, विद्यालय प्रबन्धन समिति, माँ समिति, किसान क्लब, स्वयं सहायता समूह, आदि के भी सदस्य हैं तो उन्हें चिन्हित करें। इन सभी समितियों मे अपने सदस्यों की भागीदारी को बढ़ाने के विषय पर भी विचार एवं काम करेंगे।	गॉव मे विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों और पात्र परिवारों की सूचि तैयार करना व सम्बन्धित प्रार्थना पत्र तैयार करवाना
गतिविधि नियोजन				
बैठक 5 सत्र 1 पिछले सत्रों से समस्याओं की पहचान सत्र 2 विकास सम्बन्धित समस्याओं की प्राथमिकता निर्धारित करना	संसाधनो के टिकाऊ विकास से जुड़ी कारक व रुकावटें।	गॉव मे बाल विकास समिति का गठन और उनकी गतिविधियो	विभिन्न समितियों के बारे मे जानकारी लेना।	गॉव मे जमीनो के उपयोग का इतिहास मिट्टी की उर्वरकता बनाये रखने के लिये उपयोग मे लिये जाने वाले तौर–तरीके।
बैठक 6 किसी समस्या की जड़ में जाना और उसका समाधान निकालना व जिम्मेदारी लेना	विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध मे चर्चा।	बच्चों मे कुपोषण की पहचान के लिये सर्वे	मनरेगा के सहयोग से गॉव मे किये गये आजीविका सुधार कार्य	हमारे बचपन का गॉव
पुनरावलोकन				
बैठक 7,8,9,10 किस समस्या पर क्या रणनीति बनाई	जल–संसाधन का बजट तैयार करना और सुधार की योजना बनाना एवं	बच्चों के पसंदीदा भोज्य पदार्थ, खाद्य सामग्री प्राथमिकता	जलप्रदाय विभाग के साथ सम्पर्क कार्यक्रम भूमि सुधार की योजना तैयार	गॉव में पानी और मिट्टी व पानी से जुड़ी संस्कृति उनकी वर्तमान

गई है और उस पर क्या प्रगती चल रही है।	चौपाल पर चर्चा। वर्तमान खेती की परिस्थिति पर चर्चा और उसकी विशेषताओं और कमियों की पहचान। सच्ची खेती की परिकल्पना और उसको अपनाने के लिये किये जाने वाले कार्य	सर्वे।	करना और उसको पंचायत की वार्षिक योजना मे सम्मिलित करवाना। पात्र किसानों के एमजीनरेगा के प्रार्थना पत्र तैयार करवाना ग्रामस्तर पर वनो के लिये कार्यक्रम तैयार करना और उसका क्रियान्वन	स्थिति पर चर्चा। जल पूजा, मिट्टी पूजा।
मूल्यांकन				
बैठक 11 समुदाय द्वारा सत्र के दौरान सीखी बातों की गतिविधियों का प्रदर्शन।			ग्रामचोपाल को निरन्तर और प्रभावी बनाने के लिये कौन–कौन से कार्य करने होगे? सभी के वोटर कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता, जीवन बीमा से जुड़ाव।	पुराने गीतों या भजन मे पानी और मिट्टि की महिमा की पहचान।
बैठक 12 पीएलए सीख–चक्र का मूल्यांकन	सच्ची खेती के प्रयोगों और प्रदर्शन के लिये अगुआ किसानों का चयन व किसान–खेत पाठशाला से जुड़ाव।	क्या हमारे द्वारा किये गये कार्यो या व्यवस्थाओं से बच्चो के लिये कुछ अच्छे अवसर प्राप्त हुऐ हैं या हो रहे हैं?	गॉव मे कौन–कौन से परिवार ने सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लिया है।	बीज मेला का आयोजन।

बैठक संख्या 1

विषय	सत्र 1 सहभागी सीख–चक्र का परिचय सत्र 2 गॉव के प्राकृतिक, भौतिक संसाधन, सेवाओं की उपलब्धता, और वर्तमान अवस्था की पहचान करना
प्रक्रिया	समूह मे चर्चा, गॉव का भ्रमण
समय	3 घंटे
उद्देश्य	• सहभागी सीख–चक्र का परिचय • गावॅ के सतत विकास के लिये ग्राम चौपाल के महत्व को समझना • गॉव के संसाधनों, सेवाओं और समुदाय द्वारा विभिन्न योजनाओ द्वारा लिये गये लाभों की स्थिति की पहचान • अपने गॉव के परिवेश से स्वयं को जोड़ना, बदलावों को समझना

सत्र 1 सहभागी सीख–चक्र का परिचय

वागधारा के विकास उद्देश्यों को बताते हुऐ सुगमकर्ता सहभागियों के साथ चर्चा की शुरुआत करे, क्योंकि उनके लिये यह जानना आवश्यक है कि इस पूरी सीख प्रक्रिया के मूल मे ग्राम के सतत विकास की अवधारणा है। सम्पूर्ण सीख प्रक्रिया मे समय–समय पर विकास के विभिन्न सूचकों से सम्बन्धित विषयों पर चर्चा की जावेगी, और यह भी देखा जावेगा की ये मुद्दे कैसे इन्हें प्रभावित करते हैं व कैसे इनमे सुधार करके समुदाय के टिकाऊ विकास को सुनिश्चित किया जा सकता है।

परियोजना के क्रियान्वन की प्रक्रिया

- गॉव मे लगभग 12–बैठक नियमित रुप से आयोजित की जावेगी
- बैठक का आयोजन प्रतिमाह या प्रति पखवाड़े मे एक बार किया जावेगा। प्रत्येक बैठक मे चिन्हित रणनितियों के क्रियान्वन की जिम्मेदारी लेना जिससे सच्ची खेती, प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन, बेहतर आय, सतत आजीविका, सन्तुलित पोषण, उत्तम स्वास्थय सेवाऐं, और बालमित्रवत गॉव को पाने के लिये वे क्या कर सकते है ।
- बैठकों को तीन चरणों मे बांटा गया हैं। पहले चरण मे समूह सदस्य ग्रामविकास से जुड़ी समस्याओं की पहचान करेंगे। प्राकृतिक संसाधनो की उपलब्धता और आजीविका के सम्बन्धों को जान सकेंगे। वे यह भी चर्चा करेंगे कि वर्तमान मे वे समस्याओं को कैसे देखते हैं? और एक समूह के रुप मे वे किस समस्या को प्राथमिकता से दूर करना चाहेंगे।
- दूसरे चरण मे वे ग्राम की वर्तमान समस्याओं के पीछे छिपे तात्कालिक व मूल कारणो को समझने, उन समस्याओं के सम्भावित समाधान एवं क्या–क्या रणनितियॉं हो सकती है निर्धारित करेगी ।
- तीसरे चरण मे समूह के सदस्य चर्चा करेंगे की उन्होने क्या कार्य अच्छा किया और कौन सा कार्य और अच्छे से किया जा सकता था। जिसे वो प्रक्रिया से सीख सके और सरकारी योजनाओं के साथ उचित जुड़ाव करके, अपने संसाधनों का उचित प्रबन्धन करके ग्राम विकास की निरन्तरता कैसे सुनिश्चित करने के अपने अनुभवों को अन्य सदस्यों के साथ बाटेंगे।
- प्रत्येक बैठक मे चर्चा करके समूह क्रियान्वित में की जा रही रणनितियों का मुल्यांकन कर प्रगति जानने का प्रयास करे।

सत्र 2 गॉव के प्राकृतिक, भौतिक संसाधन, सेवाओं की उपलब्धता, और वर्तमान अवस्था की पहचान करना

सुगमकर्ता समूह सदस्यों के साथ गॉव का भ्रमण करेंगे।
वे निरीक्षण करेंगे कि मार्ग मे जो संसाधन मिलते हैं उनकी अवस्था क्या है। सुगमकर्ता उन्हे वे स्थान जैसे खेत, बीड़ा, मकान, खलिहान, बाड़ी, आंगनवाड़ी, विद्यालय, चबूतरा, सड़क, समुदायिक कुआ, सामुहिक क्षेत्रों को चिन्हित व पहचानने के लिये मदद करे। वह सदस्यों को पानी के व्यक्तिगत व सामुहिक स्त्रोत भी चिन्हित करने के लिये कहे।
सुगमकर्ता खुले प्रश्नों के माध्यम से रणनीतियों की पहचान के लिये चर्चा को प्रेरित करेगें। जिससे वे विकास से जुड़े मुद्दो को जानकर उन पर कार्य कर सके।
यह चर्चा समुदाय के सदस्यों के विचारों को बाहर लाने मे मदद करेगी।
सुगमकर्ता लोगों के विचारों को लिख लें।

भ्रमण के दौरान पूछने योग्य प्रश्नों के विषय मे कुछ सुझाव

- सामान्यतः कृषि के आदान कहॉ से लाते हें क्या सरकारी विभाग से कोई सुविधा जैसे बीज, खाद, कीटनाशक प्राप्त किये जाते हैं? यदि हॉ तो कहॉ से?
- समुदाय के पेयजल का मुख्य स्त्रोत क्या है व कहॉ है ?
- गॉव की मुख्य फसलें कौन–कौन सी हैं उनके लिये बीज, खाद, कीटनाशक, आदि आदान कहॉ से प्राप्त होते है?
- लोग कहॉ स्नान करते हैं व कहॉ बर्तन मांजते/धोते हैं?
- गॉव मे आज भी लोग प्रातः शौच के लिये बाहर जाते हैं या अब सभी परिवारों मे धरेलु शौचालय बन चूके हैं नही तो लोग किस ओर जाते हैं?
- खेत मे पेयजल के कौन–कौन से साधन उपलब्ध है? लोग कहॉ पर नहाते और बर्तन धोते हैं?
- कितनी खेती बरसाती पानी के आधार पर होती है, और कितनी सिंचित होती है? उनके के लिये क्या–क्या जल संसाधन है?
- कोई पेयजल हेण्डपम्प यदि ठीक से काम नही कर रहा है, तो क्यों? कोई हेण्डपम्प या लिफ्ट बन्द है तो क्यों?
- क्या विद्यालय मे पर्याप्त अध्यापक और अन्य सुविधाऐं उपलब्ध है?

- गॉव का सबसे अच्छा किसान कौन है? और क्यों? क्या हम उनका खेत बागीचा देख सकते हैं?
- सुगमकर्ता साथी सदस्यों का ध्यान उन क्षेत्रों की ओर भी आकर्षित करेंगे जिनका विकास और अच्छे तरीके से किया जा सकता था।
- वह सदस्यों को इस पर भी चर्चा के लिये प्रेरित करे की कोई विकास कार्य टिकाऊ ओर मजबूत या समाज के लिये उपयोगी क्यों नही है।
- गॉव मे कोई स्थान जिसका प्रयोग बैठकर सामुहिक चर्चा के लिये किया जाता है? उस जगह का कोई ऐतिहासिक महत्व है, यदि हॉ तो क्यों?
- गॉव मे कौन–कौन से तीज त्यौहार सामान्यतः मनाये जाते हैं यदि हॉ तो कहॉ क्या गॉव का कोई सार्वजनिक स्थान पर्व के लिये प्रसिद्ध है?
- कोई पुराना धार्मिक स्थल, किसके द्वारा बनाया गया? कब बनाया गया?
- गॉव के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति से मिलकर गॉव के इतिहास पर सबके सामने चर्चा।
- क्या गॉव मे कोई सामुदायिक स्थान है, जहॉ लोग अनौपचारिक रुप से मिलते हैं और बातचीत करते हैं?
- गॉव के बच्चे कहॉ पढ़ने जाते हैं, स्कूल कितना पुराना है? खेल मैदान है या नही? बच्चों के मनोरंजन के लिये क्या व्यवस्था है।
- यदि समय उपयुक्त हो तो विद्यालय में मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था भी देख लें? जानने का प्रयास करें की समुदाय का क्या सहयोग रहता है?

ग्राम–भ्रमण के बाद समूह मे चर्चा के लिये कुछ सम्भावित बिन्दु

- ग्राम भ्रमण के पश्चात् विभिन्न संसाधनो; प्राकृतिक जैसे उनके वन, पोषण बगीया, खेत, फसल विविधता, उनकी उत्पादन समस्या; भौतिक जैसे सड़क, पेयजल साधन, बस–स्टेण्ड, पंचायत भवन; सेवाऐं जैसे स्वास्थय केन्द्र, विद्यालय, वितरण केन्द्र तथा उन स्थान की पहचान जहॉ पर बदलाव की प्रक्रिया शुरु की जा सकती है और समूह के सदस्यों की समझ बनाने मे मदद मिलेगी।

भ्रमण के दोरान करो	भ्रमण के दोरान मत करो
उत्सुक बनो धीरे–धीरे चलो, ध्यान पूर्वक निरीक्षण करो	भाषण मत दो या ऐसे प्रश्न मत पूछो जो काम मे नही आयेंगे
जितना सम्भव हो सके ग्रामीण को शामिल करे विशेषकर बुजुर्ग	ठीक से नही रखे गये बगीचों को छोड़े नही
भ्रमण के दोरान लोगों के विचारों को लिख लें।	किसी भी समय, समुदाय पर निर्णय थोपे नही

- उदाहरण के लिये यदि उन्हें पता चलता है कि कोई हेण्डपम्प बहुत दिनो से पानी नही दे रहा है, विद्यालय के आसपास गन्दगी पड़ी है, किसी परिवार के पास रहने के लिये छत नही है। तो उस स्थिति/अवस्था के पीछे कारण जानने का प्रयास करेंगे। सम्भावित कारको मे पानी की कमी या बीज की कमी/काम के लिये समय की कमी या बाड़ की कमी इत्यादि। तब सुगमकर्ता उपलब्ध स्थानीय संसाधनों के ज्ञान व कौशल को रचनात्मक रुप से देखते हुऐ उनकी योजना निर्माण मे मदद करना होगी।
- गॉव की उत्पत्ति और उसके इतिहास के बारे मे चर्चा।गॉव मे विकास एवं बिगाड़ का इतिहास।
- गाँव में कौन सी चीजें ऐसी हैं जिन पर हमें गर्व हो सकता है? हम इन्हें कैसे सुरक्षित रख सकते हैं? यह कौन करेंगे? हमारी भूमिका क्या होगी?
- जंगल, पोषण वाटिका, खेती की जमीन, फसल विविधता, उत्पादन में कठिनाइयों और स्थिति को समझने का प्रयास करेंगे और कुछ संभव उपायों के लिए ऐसी जगह और को चिन्हित करेंगे जहां से इनके समाधान के लिए छोटे प्रयास ।

विवरण	पहला स्थान	दूसरा स्थान	तीसरा स्थान	चौथा स्थान	पाचवा स्थान	छठा स्थान
क्या देखा उसका विवरण						
देखी गई अच्छी बात, कार्य की विशेषता						
वहॉ क्या खास है?						
क्या सुधार करने की आवश्यकता है?						

भ्रमण और चर्चा के दौरान सुगमकर्ता उपरोक्त दर्शायें चित्र के अनुसार गाँव का वास्तविक अनुप्रस्थ मानचित्र तैयार करेंगे और साथ ही सारणी को भरेंगे, ऊपर दिखाया गया चित्र मात्र उदाहरण के तौर पर है, वास्तविक मानचित्र क्षेत्र भ्रमण के दौरान चुने गए मार्ग की वास्तविक स्थिति के आधार पर होगा

चर्चा के बिन्दु और सिद्धान्त

सच्ची खेती

गॉव के संसाधनो की वर्तमान स्थिति का आंकलन।

संसाधनो से जुड़ी समस्याओं की पहचान।

हम अच्छे किसानो की पहचान भी कर सकते हैं जो किसान पाठशाला के लिए प्रशिक्षक हो सकते हैं ।

सच्चा बचपन

समूह के बच्चों की संख्या का आंकलन।

आंगनवाड़ी, विद्यालय, स्वास्थय केन्द्र से बच्चों सम्बन्धित आंकड़े एकत्रित करना।

सच्चा लोकतन्त्र

गॉव मे लोकतान्त्रिक संस्थाओं का इतिहास और बदलाव।

गॉव की विभिन्न समितियों के बारे मे जानकारी एकत्र करना।

बैठक के अंत में एक छोटी समिति तय करें जो सामूहिक संसाधनों को पुर्नजीवित करने के लिए सोचेगी

बैठक संख्या 2

विषय	सत्र 1 समुदाय के सभी घटकों को जोड़ने की आवश्यकता को समझना सत्र 2 संवैधानिक अधिकार
प्रक्रिया	पीछे कौन रह गये खेल समूह मे चर्चा
समय	3 घंटे
उद्देश्य	• समाज मे पीछे रह जाने के कारणों पर समझ बनाना • सामाजिक बाधाओं को जानना • संवैधानिक अधिकारों के बारे में जानना

सत्र 1 समुदाय के सभी घटकों को जोड़ने की आवश्यकता को समझना

इस सत्र की शुरुआत इस चर्चा से होती है कि हम अब एक खेल खेलेंगे, इसके लिये समूह से किन्ही 6 लोगो का चयन करें और बाकी सदस्य खेल देखेंगे और फिर उस पर चर्चा करेंगे। गरीब ओर वंचित लोगो के लिये बहुत समस्याऐं हे क्योंकि कई कारणों से वे सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं और सेवाओं तक पहुँच नही पाते और उनके लाभ से वंचित रह जाते है। अतः समाज के लोगो और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं, स्थानीय युवाओं को जानना आवश्यक है कि क्यों और कैसे कुछ लोग इन सुविधाओं तक नही पहुँच पाते हैं?

"शक्तिचाल" के एक खेल से हम यह समझने मे मदद करे की कौन लोग छूट जाते हैं? क्यों छूट जाते हैं?और उन्हें विकास से जोड़ने के लिये क्या करना चाहिये? पीछे कौन रह गये? जानने के लिये खेल के तरीके।

- सुगमकर्ता, समूह से कोई छः सदस्यों का चयन करेगें।
- वह बैठक के पहले खेल के नियम समझायेगें।
- उनमे से प्रत्येक को एक पर्ची मिलेगी जिससे उस चरित्र का नाम लिखा है जो भूमिका वे खेल मे करेंगे।
- सभी छः सदस्यों को बताना है कि वे अपने चरित्र या किरदार जिसकी भूमिका वे निभा रहे हैं उसके बारे मे किसी को बतालाना नही है, छुपा कर रखना है।
- खेल की शुरुआत मे सभी सदस्य समूह के बीच मे एक लाईन मे खड़े रहेंगे ओर सुगमकर्ता द्वारा पूछे गये प्रत्येक सवाल ओर उनके किरदार की भूमिका के आधार पर वे एक–एक कदम आगे बढ़ेंगे।
- सुगमकर्ता कुछ प्रश्न पूछेगा ताकि प्रत्येक उपस्थित सदस्य उसे सुन सके "सावधानी से"
- खेल को मनोरंजक व सहभागी बनाने के लिये अच्छा हो कि चरित्र, बैठक के पूर्व अभ्यास करले।
- खेल की प्लानिंग के समय, प्रत्येक चरित्र को निर्देश देता है कि वे कब रुक जावे ओर कब खेले।

खेल के चरित्र के

पात्र 1 भूमिहीन गर्भवती महिला जो अपने गर्भावस्था के पूर्ण काल में है। इसके दो बच्चे हैं और यह कृषि मजदूरी करती है, ये स्वास्थ्य केंद्र से बहुत दूरी पर रहती हैं।

पात्र 2: 8 वर्ष की विद्यालय से बाहर पढ़ाई छोड़ चुकी बच्ची

पात्र 3: गाँव के सवर्ण नेता का पुत्र

पात्र 4: सीमान्त किसान जो मौसम में गाँव से पलायन करता है

पात्र 5: छोटी जमीन वाला अंशकालिक मजदूर (पुरुष)

पात्र 6: एक आत्म निर्भर किसान जो अपने खेत में अपना बीज और अपने खाद का प्रयोग करता है

यह स्पष्ट कर दें कि यह मात्र एक खेल है और इन पात्रों का चयन किसी भी रुप में गॉव के किसी वास्तविक व्यक्तियों को ध्यान में रखकर नही किया गया है।अब सभी 6 पात्रों को समूह के बीच एक पंक्ति मे खड़े होने के लिये कहें और बताएं कि प्रत्येक बार पूछे गए प्रश्न के अनुसार यदि उन पर लागू हो तो एक कदम आगे बढ़ाये। वहपात्र क्यों अपना कदम आगे बढ़ाता है इस पर बड़े समूह में चर्चा हो सकती है। सुगमकर्ता कुछ प्रश्न पूछेंगे, प्रश्न इतने साफ होने चाहिये कि कोई भी उन्हें साफ सुन सके। सुगमकर्ता सभी प्रतिभागियों से आग्रह करेंगे कि प्रश्नों को ध्यानपूर्वक सुनें।
सुगमकर्ता द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्न ओर सम्भावित प्रत्युत्तर इसप्रकार हो सकते हैं।

पूछे जानेवाले प्रश्न	प्रश्नो पर प्रतिक्रिया
आप मे से किस किस ने स्वास्थय कार्यकर्ता से चार बार प्रसवपूर्व	1 व 2 को छोड़कर बाकी सभी पात्र या चरित्र आगे बढ़ेंगे।
सेवाऐं ली है? कृपया एक कदम आगे आजावे।	
आप मे से किस किस के बच्चों का पूर्ण टिकाकरण हो चुका है? कृपया एक कदम आगे आ जावे।	1 व 4 को छोड़कर बाकी सभी पात्र या चरित्र आगे बढ़ेंगे।
आप मे से किस किस के पास सब्जी उत्पादन के लिये सिंचाई सुविधा है? कृपया एक कदम आगे आ जावे।	4 व 5 को छोड़कर बाकी सभी पात्र या चरित्र आगे बढ़ेंगे।
आप मे से कितनो के यहॉ अपने भोजन में पिछले सप्ताह में कम से कम दो बार लिया गया है। मिश्रित अनाज, दालें, हरी सब्जियॉ, फल, तेल, मांस, मछली या अंडा	3 व 6 आगे बढ़ेंगे बाकी सभी पात्र या चरित्र रुके रहेंगे
आप मे से किसे दोनो समय के भोजन मे अनाज दाल हरी सब्जी, फल, तेल व अन्य प्रोटिन है? कृपया एक कदम आगे आ जावे।	3 आगे बढेंगे बाकी सभी पात्र या चरित्र रुके रहेंगे
आप में से कितने सरकारी कार्यालय तहसील/बैंक आदि किसी काम के लिये गऐ हैं?	3 व 6 आगे बढेंगे बाकी सभी पात्र या चरित्र रुके रहेंगे
कौन–कौन या किस–किस के बच्चे स्कूल गये थे/जाते हैं।	3 व 6 को छोड़कर बाकी सभी पात्र या चरित्र आगे बढ़ेंगे।
आप में से कितने अपने निर्वाचित विधायक को जानते हैं और उनसे मिल सकते हैं?	3 व 6 को छोड़कर बाकी सभी पात्र या चरित्र आगे बढ़ेंगे।

पहले समुदाय के साथ और फिर चरित्रों के साथ चर्चा के प्रश्न

- आगे कौन–कौन लोग आ गये? और वे आगे क्यों आ गये है?
- पीछे कौन कौन लोग रह गये और वे पीछे क्यो रह गये हैं?
- सबसे ज्यादा अवसर किन्हें मिले? और सबसे कम अवसर किन्हें मिले?
- अवसर मिलने या ना मिलने का लैंगिक अवस्था, आर्थिक व जातिगत भेदभाव से कौई सम्बन्ध है क्या?
- समूह कैसे सुनिश्चित करेगा की विकास मे सीमान्त परिवारो की आवाज को भी सुना जावे? और यह क्यो महत्वपूर्ण है?
- हम कैसे सुनिश्चित करेंगे कि समुदाय का प्रत्येक व्यक्ति आखिरी कदम तक पहुॅच पाये?
- समाज मे बहुत सारी बाधाऐं व रुकावटे है जो उन्हें सेवाओं तक पहुॅचने व लाभ लेने से रोकती है।
- जो पीछे छूट जाते है वे विकास के मामले मे जोखिम मे रहते है। यह समाज की सामुहिक जिम्मेदारी है कि वह छूटे हुऐ परिवारो को जोड़े ओर बेहतर विकास अवसरों तक पहुॅचने मे उनकी मदद करे। अतः एक समिति का गठन करें जो की विभिन्न स्थितियों पर नजर रखने मे मदद करेगी जैसे राशन की दुकान, स्कूल की व्यवस्था, आंगनवाड़ी की सुविधाओं तक पहुॅच। इस समिति के कुछ–कुछ सदस्य अलग–अलग जिम्मेदारियॉ लेकर सम्बन्धित जानकारी आने वाली बैठक मे प्रस्तुत करेंगे।

सत्र 2 संवैधानिक अधिकार

प्रतिभागियों के बीच कार्ड साझा करें।
प्रतिभागियों से पूछें, आप कौन सी छवियां देख रहे हैं? आप इससे क्या समझते हैं?
प्रतिभागियों से पूछें कि क्या उन्हें संवैधानिक अधिकारों की जानकारी है?

सत्र 1 से क्या संबंध है?

समानता के अधिकार में, अस्पृश्यता का उन्मूलन, कानून से पहले धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर समानता, और रोजगार की समानता शामिल हैं

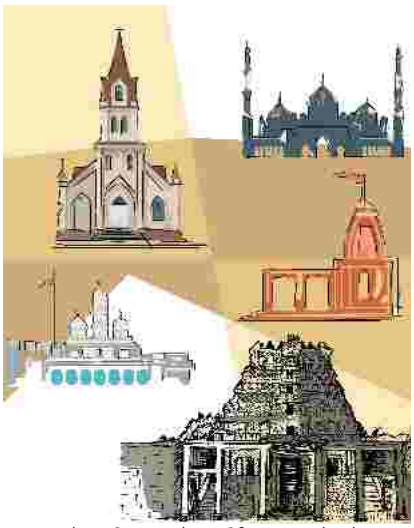

धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार में धार्मिक मामलों के प्रबंधन की स्वतंत्रता, अंतरात्मा की स्वतंत्रता और मुक्त पेशा, अभ्यास, और धर्म का प्रचार शामिल है

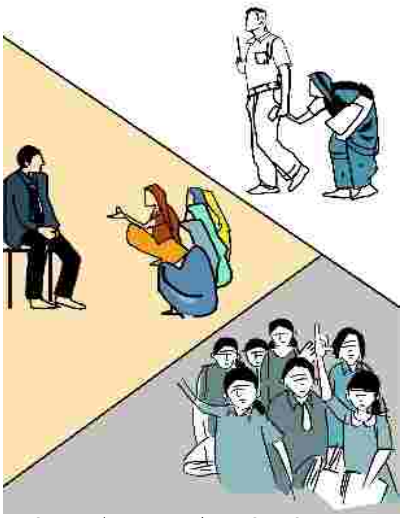

स्वतंत्रता के अधिकार में भाषण और अभिव्यक्ति, संघ, आंदोलन और किसी भी पेशे या व्यवसाय का अभ्यास करने का अधिकार शामिल है।

सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार भारत के नागरिकों को उनकी सांस्कृतिक प्रथाओं के संरक्षण और उन्हें शिक्षा तक पहुंच के लिए दिए गए हैं।

चर्चा के बिन्दु और सिद्धान्त

सच्ची खेती

कितने लोग पलायन कर रहे हैं और क्यों

आत्मनिर्भर किसान बनने के लिए हमें किन चीजों की जरूरत है

पलायन के सामाजिक प्रभाव

सच्चा बचपन

क्या हमारे सभी बच्चे स्कूल जाते हैं, विशेष रूप से लड़कियां

सच्चा लोकतन्त्र

गर्भवती धात्री माताओ तक पहुँच कर पता करना कि उन्हें प्रसवपूर्व और प्रसव उपरान्त सेवाएँ मिल रही हैं या नहीं

राशन दुकान की निगरानी

गाँव में कौन सी प्रथाएँ हैं जो संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ जाती है

बैठक संख्या 3

विषय	सत्र 1 बच्चों की वर्तमान स्थिति सत्र 2 कृषि का महत्व
प्रक्रिया	चित्र कार्ड लेकिन क्यों खेल
समय	3 घंटे
उद्देश्य	• गॉव को सच्चा बचपन केन्द्रित विकास के साथ जोड़ने के कार्यों का निर्धारण • बाल अधिकार और सच्चा बचपन पर समझ, समाज मे बच्चों की भागीदारी, • कृषि का महत्व और अन्य सामाजिक कारकों के साथ इसका संबंध

सत्र 1 बच्चों की वर्तमान स्थिति

सभी का स्वागत करने के पश्चात् सुगमकर्ता सहभागी सदस्यों को पहली बैठक मे, गॉव मे बच्चों की वर्तमान स्थिति पर जानकारी लेने के लिये विषय पर समूह द्वारा ली गई जिम्मेदारियों को याद दिलाता है। अब समूह के बीच 20 ऐसे कार्ड बाट दें जो निम्न स्थिति दर्शाते हो। अब अपने गॉव की स्थिति सच्चा बचपन के नजर से जानने का प्रयास करते हैं कि हमारा गॉव बच्चों के लिये कितना दोस्ताना है किन–किन मुद्दों पर दोस्ताना हैं और किन मुद्दों पर काम करने की आवश्यकता है। इस खेल के लिये जमीन पर दो अलग–अलग गोले बनाते हैं और उनमे एक पर हँसते हुऐ प्रसन्न बच्चे/बच्ची का फोटो या स्केच जिससे सबको समझ मे आ सके और दूसरे गोले मे एक उदास बच्चे/बच्ची का स्केच रख दे।

- एक खेलती हुई लड़की।
- एक खेलता हुआ लड़का।
- एक पूरी भरी थाली मे खाना खाता हुआ लड़का।
- स्कूल मे खेलते/पढ़ते हुऐ बच्चे।
- परिवार नियोजन का पहचान चिन्ह एक लड़का और एक लड़की दिखाते हुऐ
- स्कूल जाते बच्चों की टोली।
- पढाई करते हुऐ बच्चे।
- होटल मे काम करता, खेत मे काम करता, मजदूरी करता बच्चा/बच्ची।
- एक टूटा–फूटा, गन्दा सा स्कूल।
- एक कुपोषित बच्चा।
- सड़क पर भीख मॉगता बच्चा।
- एक अर्धनग्न बच्चा।
- पानी लेकर आता हुआ बच्चा/बच्ची।
- मध्यान्ह भोजन का दृश्य।
- पिटाई खाता हुआ बच्चा।
- लड़की को छूने या जबरदस्ती करने के लिये बढ़े हुऐ हाथ।
- परिवार के साथ बैठा हुआ बच्चा।

- सिगरेट पीता हुआ बच्चा
- बूढ़े के साथ शादी करते हुऐ बच्ची का दृश्य।
- साफ–स्वच्छ कपड़े पहना बच्चा।

सभी प्रतिभागी विस्तार से चर्चा करते हुऐ एक–एक कार्ड को अच्छी स्थिति और बुरी स्थिति दर्शाने वाले गोले मे रखते जावेंगे। जब सभी कार्ड गोलों मे रखे जा चुके होंगे तो सुगमकर्ता अपने गॉव को बच्चो की नजर से परिभाषित करने मे मदद करेगा कि हमारा गॉव बच्चों के लिये दोस्ताना है या नही? यदि नही तो फिर चर्चा का विषय होगा हम अपने गॉव को बच्चों के लिये उपयुक्त कैसे बना सकते हैं? उपरोक्त सभी बिन्दु चर्चा के हो सकते हैं कि हमारे गॉव मे क्या हो रहा है?
क्या? हमारे यहॉ

- सभी उम्र के लड़के और लड़कियॉ आंगनवाड़ी या विद्यालय जा रहे हैं, विशेषकर बड़ी उम्र की लड़कियॉ।
- बाल विवाह नही होते हैं। लड़के के लिये 21 वर्ष और लड़की के लिये 18 वर्ष।
- बच्चे कुपोषित नही हैं, उन्हे पर्याप्त मात्रा मे पोषक भोजन प्राप्त होता है।
- गॉव का कोई बच्चा बाल–मजदूरी नही करता है।
- बच्चों पर कोई अत्याचार नही किया जाता है।
- परिवार औार गॉव मे बच्चों की बात सुनी जाती है और उनकी मांगो को पूरा किया जाता है।
- आंगनवाड़ी मे गुणवत्तापूर्ण पर्याप्त भोजन प्राप्त होता है।
- विद्यालय मे गुणवत्तापूर्ण पर्याप्त भोजन प्राप्त होता है।
- विद्यालय मे बच्चों के खेलकूद और मनोरंजन की सुविधाऐं और उनका प्रयोग बच्चों के विकास के लिये किया जाता है।

निम्नलिखित तालिका में चर्चा बिंदु लिखें

बालमित्रवत सूचक	हमारे गॉव की वर्तमान स्थिति	समूह द्वारा प्रस्तावित कार्य
सभी उम्र के लड़के और लड़कियॉ आंगनवाड़ी या विद्यालय जा रहे हैं, विशेषकर बड़ी उम्र की लड़कियॉ।		
बाल विवाह नही होते हैं। लड़के के लिये 21 वर्ष और लड़की के लिये 18 वर्ष।		
बच्चे कुपोषित नही हैं, उन्हें पर्याप्त मात्रा मे पोषक भोजन प्राप्त होता है।		
गॉव का कोई बच्चा बाल–मजदूरी नही करता है।		
बच्चों पर कोई अत्याचार नही किया जाता है।		
परिवार औार गॉव मे बच्चों की बात सुनी जाती है और उनकी मांगो को पूरा किया जाता है।		
आंगनवाड़ी मे गुणवत्तापूर्ण पर्याप्त भोजन प्राप्त होता है।		
विद्यालय मे गुणवत्तापूर्ण पर्याप्त भोजन प्राप्त होता है।		
विद्यालय मे बच्चों के खेलकूद और मनोरंजन की पूर्ण सुविधाऐं और उनका प्रयोग बच्चों के विकास के लिये किया जाता है।		

समुह के सदस्य इस बात की जिम्मेदारी लेते हैं कि वे अगली बैठक मे इन विषयों पर विस्तृत जानकारी एकत्र करके लायेंगें और गॉव को बच्चों के लिये मित्रवत बनाने के बारे मे चर्चा करेंगे। समुह के सदस्य छोटे समूह मे इस बात की जिम्मेदारी

लेते हैं वे अपने गॉव को बच्चों के लिये मित्रवत बनाने के लिये आने वाली बैठको के दौरान क्या कार्य करेंगे। जैसे विद्यालय और आंगनवाड़ी के अवलोकन के लिये कुछ सदस्य जिम्मेदारी लें। विद्यालय प्रबंधन समिति से बैठक ओर विकास की सम्भावना को जानना। बाल अधिकार की प्राप्ति के लिये किशोर–किशारियों के समूह का गठन और उनके साथ मिलकर तम्बाकु निषेध, बाल मजदूर निषेध आदि मुददो पर अभियान चलाना।

सत्र 2 कृषि का महत्व और अन्य सामाजिक कारकों के साथ इसका संबंध

सत्र का प्रारम्भ एक कहानी से होगा ।

भंवरी जंगल के पास के एक गाँव में रहती थी जहाँ वे लोग कई तरह की फसल उगाते थे (जिसमे अनाज, दलहन, बीन्स, तिलहन, कंदमूल, मसाले, सब्जियां आदि सभी शामिल हैं)। भंवरी जब बच्ची थी तो पास के जंगल से फल, हरी सब्जियां, कंदमूल और कई अन्य वनोत्पाद जिनकी जानकारी उसे अपने माता पिता से मिली थी, वह इन सबको खुशी खुशी चुन कर घर लाती थीं।

उसकी शादी एक ऐसे परिवार में हो गयी जो गरीब था और उनकी आमदनी का मुख्य जरिया मजदूरी था। वो अपने खेत के एक छोटे हिस्से में मकई उपजाते थे और बाकी का सारा खेत परती पड़ा रहता था। जब उसने अपने पति से पूछा कि वो लोग पूरी जमीन का उपयोग खेती के लिए क्यों नहीं करते हैं, तो उसके पति ने कहा कि हमारे पास पूरे खेत के लिए पर्याप्त बीज नहीं हैं और जमीन भी बिलकुल बंजर हो गयी है। उसने आगे कहा कि ऐसा शायद लम्बे समय तक रासायनिक खाद के उपयोग के कारण हुआ है। भंवरी ने फिर जानना चाहा कि वो लोग जंगल से खाद्य सामग्री क्यों नहीं जमा करते हैं, जिस पर उसके पति ने कहा कि जंगल जहां से हमें पर्याप्त पोषण मिलता था वो अब उजड चुके हैं।

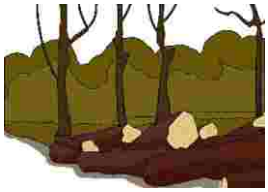

कुछ माह के बाद जब वह गर्भवती हुई तो उसने अपने पति से कहा कि वह उसे सब्जी, मांस, मछली, अंडे, दूध आदि लाकर दे क्योंकि उसने अपने घर पर अपनी भाभी को गर्भावस्था में तरह तरह के भोजन का सेवन करते देखा। उसका पति असहाय होकर बोला "हमारे गाँव में स्थितियां बिलकुल अलग हैं, तुम्हारे यहाँ लोगो ने जमीन का पूरा उपयोग विभिन्न तरह के अनाज, दाल, फल और सब्जी उपजाने के लिए किया है, यहाँ तक कि घर पर पोषण पाने के लिए जानवर भी पाल रखे हैं, यहाँ हमारी स्थिति अलग हैं क्योंकि यहाँ पर हम मात्र गेहूं और मकई उपजाते हैं और उसके लिए भी बीज बाजार से खरीद कर लाते हैं। हम बाजार से हरी सब्जियां नहीं खरीद सकते क्योंकि वो बहुत महँगी होती हैं. इसलिए तुम्हे हमारी स्थिति के अनुसार ही रहना पड़ेगा। मै जानता हूँ कि इससे हमारे बच्चे पर भी असर पड़ेगा लेकिन मैं इसमें कुछ कर नहीं सकता हूँ।

भंवरी ने अपने हालात से समझौता कर लिया और उसको पूरा भोजन और आराम गर्भावस्था में नहीं मिल पाया। उसको दूसरो के खेतों में भी मजदूरी के तौर पर काम करना पड़ता था जहां कीटनाशकों का बहुत ज्यादा उपयोग होता था। इस तरह भंवरी धीरे धीरे बहुत कमजोर होती गयी और नवें माह में उसने एक कम वजन के बच्चे को जन्म दिया। भंवरी इतनी कमजोर हो गई थी कि कुछ ही महीने बाद वह मर गई। उसका बच्चा बहुत कमजोर हो गया था और एक साल की उम्र तक वह अतिकुपोषित हो चुका था इसलिए उसे अस्पताल में दाखिल करवाना पड़ा था ।

सुगमकर्ता प्रतिभागियों को बताएँगे की वे लोग खेल खेलने जा रहें हैं "लेकिन क्यों" –

- सभी प्रतिभागियों को इस अभ्यास में भाग लेने के लिए प्रेरित करें
- कहानी सुनाने के उपरान्त चित्र कार्ड को जमीन पर पड़े रहने दें
- सुगमकर्ता समूह से चर्चा करने के लिए कहेंगे की बच्चा कुपोषित क्यों हो गया था और इस तरह से आगे प्रश्न पूछते जायेगे जब तक प्रतिभागी समस्या की जड़ में न पहुँच जाएँ
- समस्या के समाधान तक पहुँचने के लिए सुगमकर्ता कहानी के हर स्तर पर सभी से पूछेंगे कि इस स्थिति को नहीं आने देने के लिए क्या करना चाहिए था और सभी उत्तरों को नोट करेंगे ताकि इनका आगे उपयोग किया जा सके

"लेकिन क्यों" खेल

कहानी के अंत में क्या हुआ?

बच्चे को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था

लेकिन बच्चे को अस्पताल में भर्ती क्यों करना पड़ा था?

क्योंकि बच्चा कुपोषित हो गया था

लेकिन बच्चा कुपोषित क्यों हो गया था?

क्योंकि बच्चे की माँ को देखभाल नहीं मिली और उसका जन्म के समय वजन कम था

लेकिन बच्चे को उसकी माँ की देखभाल क्यों नहीं मिला?

क्योंकि उसकी माँ मर चुकी थी

लेकिन उसकी माँ की मृत्यु कैसे हुई?

क्योंकि उसकी माँ कमजोर और एनीमिया ग्रस्त थी

लेकिन उसकी माँ कमजोर क्यों थी?

क्योंकि माँ को पूरा भोजन और आराम नहीं मिला था न ही गर्भधारण और दूध पिलाने के काल में उसको पर्याप्त सब्जी, दाल और जंतु प्रोटीन प्राप्त हो पाए थे

लेकिन माँ को गर्भधारण और दूध पिलाने के समय सही आहार क्यों नहीं मिल पाया?

क्योंकि उसको कठिन परिश्रम करना पड़ता था और उसका परिवार न तो सब्जी फल आदि खरीद पाने में सक्षम थे न ही उनको उपजाते थे और न ही पशुपालन करते थे

लेकिन उनका परिवार सक्षम क्यों नहीं था?

क्योंकि वो दिहाड़ी मजदूरी का काम करते थे और न तो अपनी फसल, सब्जी या फल आदि उपजाते थे न ही पशुपालन करते थे

लेकिन क्यों वे मजदूरी करते थे और सब्जी आदि की खेती क्यों नहीं करते थे?

क्योंकि उनके पास विभिन्न फसलो की खेती के लिए अपने बीज नहीं थे और कृत्रिम रासायनिक खादों के उपयोग से उनकी खेत अनुपजाऊ हो चुकी थी और जंगल उजड जाने के कारण वहाँ से भी जंगली उत्पादन एकत्र नहीं कर पाते थे

बच्चे के जन्म से कम वजन होने के और क्या कारण थे?

चूँकि भंवरी बिना उचित भोजन के लगातार काम कर रही थी और उसके परिवार वाले उसे पर्याप्त पोषक आहार नहीं उपलब्ध करवा रहे थे , क्योंकि वो न तो बाजार से खरीद पाने में सक्षम थे न ही अपनी जमीन पर उपजा पा रहे थे क्योंकि जमीन लगातार कृत्रिम रासायनिक खाद के उपयोग से बंजर हो गई

———

समाधान तक पहुँचने के लिए अब वह प्रश्न पूछेगा, "लेकिन क्या ?" और सभी प्रतिभागियों से जानना चाहेगा कि इस समस्या को हर स्तर पर रोकने के लिए क्या किया जा सकता था और प्राप्त समाधानों को पंजिका में नोट करेगी।

सुगमकर्ता प्रयास करेगा कि सभी का ध्यान चर्चा में परिवार की पोषण आपूर्ति में कृषि के महत्व पर जाए और लोग खेती की विविधता के महत्व को पोषण से जोड़कर समझ सकें।

कृषि से जुड़े अन्य मुद्दे क्या हैं?क्या हम सच्ची खेती पर किसान क्षेत्र के स्कूल में भाग ले रहे हैं?

चर्चा के बिन्दु और सिद्धान्त

सच्ची खेती

कृषि आजीविका, पोषण, विविधता और कई और मुद्दों से जुड़ी हुई है।

जिनके पास पोषण बगीचा नहीं है वो पोषण बगीचा लगाना शुरू कर दें।
अगले बैठक में प्रतिभागी इस पर अपनी योजना बना कर आयेंगे।

यह गाँव की पारिस्थितिक स्थिति से कैसे संबंधित है (संदर्भ बैठक १)।

सच्चा बचपन

आंगनवाड़ी, विद्यालय, स्वास्थय केन्द्र से बच्चों सम्बन्धित आंकड़े एकत्रित करना।

बच्चों के लिए पोषण की विशेष आवश्यकता, विशेष रूप से 6 महीने के बाद
बच्चों के खेल मैदान
गॉव मे बालमजदूरी और उसके आयाम

सच्चा लोकतन्त्र

माताओं और बच्चों के लिए योजनाए
कृषि में सुधार के लिए योजनाएं

बैठक संख्या 4

विषय	सत्र 1 लिंग के आधार पर काम की भूमिका सत्र 2 भागीदारी
प्रक्रिया	समूह में चर्चा, चार्ट पेपर, चित्र कार्ड
समय	3 घंटे
उद्देश्य	लिंग के आधार पर काम की भूमिका और उसमे संतुलन पर समझ बनाना गॉव मे सामुहिक और सामूदायिक कार्यो मे भागीदारी पर चर्चा हम गॉव के विकास मे क्यों भाग लें। सहभागिता कितने प्रकार की होती है। अपनी व गॉव के अन्य सदस्यों की सहभागिता कैसे सुनिश्चित करेंगे।

सत्र 1 लिंग के आधार पर काम की भूमिका और उसमे संतुलन पर समझ बनाना

सुगमकर्ता पिछली बैठक में किये गए चर्चा के बारे में प्रतिभागियों से जानेंगे। इस खेल के लिए सुगमकर्ता को अपने साथ एक सहयोगी की आवश्यकता पड़ेगी।

समूह में से पुरुषो और महिलाओं के दो अलग समूह बनायेंगे। सुगमकर्ता और उनके सहयोगी में से एक एक दोनों समूह में बैठेंगे । यदि संभव हो तो दोनों समूहों को अलग अलग जगह पर बैठाएंगे ताकि एक समूह दुसरे समूह की चर्चा को नहीं सुन पाए ।

दोनों सुगमकर्ता समुदाय के एक सामान्य पात्र का चयन अपने समूह में करेंगे और निम्नांकित चार्ट में उनकी दैनिक गतिविधियों को समय के अनुसार बनायेंगे ताकि पता चल सके कि यह पात्र दिन भर में क्या क्या करता/ करती है । दिन भर के सभी कार्यो को लिखें , यहाँ तक कि छोटे छोटे कार्यो को भी । विस्तार से चर्चा करें पात्रो को कोई काल्पनिक नाम दें ऐसे पुरुष समूह के लिए रमेश और महिला समूह के लिए सरिता ।

प्रातः 4AM – 6AM	
6AM – 8 AM	
8AM – 10 AM	
10AM – दोपहर 12	
दोपहर 12 – 2PM	
2PM – 4 PM	
4PM – 6 PM	
संध्या 6PM – 8 PM	
रात्री 8 PM – 10 PM	

दोनों समूहों को चर्चा और अभ्यास के उपरान्त पुनः साथ बैठाएं ।दोनों समूहों द्वारा बनाए गए चार्ट को प्रस्तुत करें।

निम्नलिखित बिन्दुओ पर चर्चा करें –

- दोनों चार्ट में क्या अंतर है? क्या समानताएं हैं? दोनों में अंतर क्यों है?
- कौन किस तरह के काम के लिए जिम्मेदार है?
- क्या रमेश सरिता जो काम करती है उसकी सराहना कर सकता है? क्या सरिता रमेश जो काम करता है उसकी सराहना कर सकती है?

इस निष्कर्ष पर पहुंचने की कोशिश करें कि सभी की समाज में समान और महत्वपूर्ण भूमिका है। इसीलिए, गाँव के प्रत्येक कार्य में स्त्री और पुरुष की समान भागीदारी होनी चाहिए।

सत्र 2 भागीदारी

पिछली सत्र की चर्चा और गॉव के बच्चों के लिये मित्रवत नही होने की स्थिति को आधार बनाकर ही इस सत्र की भूमिका बनाते हैं कि गॉव के सदस्य विकास की प्रक्रिया मे भागीदारी लेते हैं या नही और लेते हैं तो कितनी? नही लेते हैं तो क्यों। इस चर्चा को आगे बढ़ाने के लिये समूह के सदस्यों को 5 छोटे उपसमूहों मे बॉटकर निम्नांकित भूमिका दें –महिलायें,बच्चे, छोटे किसान, मजदूर, और नौकरी धारक।

10 मिनिट की चर्चा के बाद सभी उपसमूह स्वयं से सम्बन्धित गॉव मे मौजूद एक सबसे बड़ी समस्या के बारे मे बतलायेंगे। सभी समूह अलग तरह के मुद्दे लेकर क्यों आये हैं, इसपर चर्चा करें। हो सकता है कि सभी का परिपेक्ष अलग–अलग होने के कारण अलग अलग बातें प्राथमिकता के तौर पर आ रही है। कौन सी समस्या सबसे अधिक महत्वपूर्ण है? इस पर सहभागियों के बीच चर्चा करावे।

अब सभी उपसमूह समस्या के लिये प्रस्तावित समाधान और फिर उसमे समूह की महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाएं व चर्चा करें

- समस्या का समाधान भी अलग–अलग हो सकता है। अलग समाधान क्यों आते हैं?
- क्या समस्या को अलग–अलग नजरियों से देखना अच्छा है? यदि हॉ, तो क्यों?
- गॉव मे कोई निर्णय कैसे लिया जाता है? निर्णय कौन लेते हैं? निर्णय लेने के लिये विभिन्न मंच कौन से हैं? क्या हम सभी, निर्णय की प्रक्रिया मे भाग लेते हैं?
- अगर हम निर्णय लेने में भाग नही लेते हैं और हमारे बदले कोई निर्णय लेता है, तो इसका क्या असर पड़ेगा? उदाहरण दें।

सुगमकर्ता भागीदारी के विभिन्न प्रकारों को चित्र के माध्यम से दिखायेंगे और लोगो को स्थिति की व्याख्या करने के लिये कहेंगे। भागीदारी के विभिन्न प्रकार क्या हैं? हमारे यहॉ प्रायः किस प्रकार की भागीदारी होती है?

चर्चा करें, अगर हम स्व–आन्दोलन की भागीदारी में हैं तो हम समस्या को कैसे हल कर सकते हैं? आत्म संगठित भूमिका में भाग लेने के लिये बाधाएं क्या हैं?

चुनाव भागीदारी का एक महत्वपूर्ण तरीका है। क्या हम वोट देते हैं? क्या वोट देने से पहले हम विकास की प्राथमिकताओं पर विचार करते हैं?

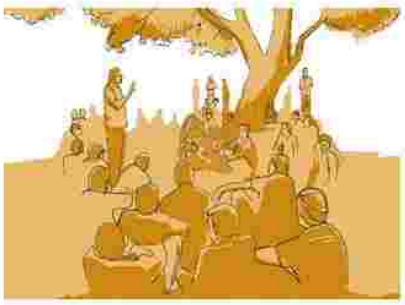

सकारात्मक भागीदारी इस भागीदारी के अन्तर्गत लोगों को बताया जाता है कि क्या होने जा रहा है या पहले से ही हो चुका है।

परामर्श से भागीदारी –लोगों से परामर्श करके भाग लेते हैं, और बाहरी लोगों के विचार सुनते हैं, लागों के प्रतिकियाओं के प्रकाश में इन्हें संशोधित कर सकते हैं लेकिन निर्णय लेने मे उन्हें शामिल नही करते हैं।

सामग्री प्रोत्साहन की भागीदार –लोग संसाधन प्रदान करके भाग लेते हैं, उदाहरण के लिये श्रम, भोजन, नगदी के बदले में।

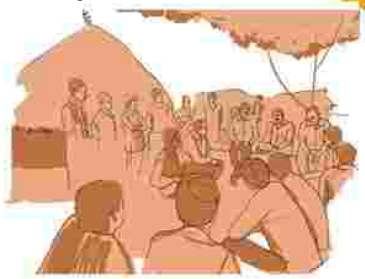

संवादमूलक भागीदारी –लोग साझा विश्लेषण, कार्ययोजना निर्माण और स्थानीय निकायो के गठन और क्षमतावृद्धि में भागीदारी करते हैं।

आत्म–आंदोलन –लोग व्यवस्था परिवर्तन के लिये बाहरी संस्थानों से प्रभावित हुए बिना खुद से पहल करते हैं। वे संसाधनों और तकनीकि सलाह के लिए बाहरी संस्थानों के साथ सम्पर्क विकसित करते हैं, लेकिन संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाता है, इस पर अपना नियन्त्रण बनाए रखते हैं।

चर्चा के बिन्दु और सिद्धान्त

सच्ची खेती

गॉव मे विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों

सच्चा बचपन

आशा है कि हम लड़कियों और लड़कों के बीच अंतर नहीं कर रहे हैं

सच्चा लोकतन्त्र

यदि सदस्यों में से कोई भी ग्राम पेयजल स्वच्छता समिति, ग्राम स्वास्थ्य पोषण और स्वच्छता समिति, विद्यालय प्रबन्धन समिति, माता समिति, किसान क्लब, स्वयं सहायता समूह, आदि के भी सदस्य हैं तो उन्हें चिन्हित करें।

इन सभी समितियों मे अपने सदस्यों की भागीदारी को बढ़ाने के विषय पर भी विचार एवं काम करेंगे।

बैठक संख्या 5

विषय	विकास सम्बन्धित समस्याओं की प्राथमिकता निर्धारित करना।
प्रक्रिया	समूह में चर्चा, चार्ट पेपर, चित्र कार्ड 'वोटिंग का अभ्यास/खेल'
समय	3 घंटे
उद्देश्य	सत्र 1 पिछले सत्रों से समस्याओं की पहचान सत्र 2 विकास सम्बन्धित समस्याओं की प्राथमिकता निर्धारित करना

सत्र 1 पिछले सत्रों से समस्याओं की पहचान

सभी का स्वागत करने के पश्चात् सुगमकर्ता सहभागियों से पूर्व की बैठकों के चर्चा के बिन्दुओं को दोहराने का प्रयास करे और समूह के साथ चर्चा के माध्यम से प्रत्येक सत्र से समस्याओं की पहचान करें।

इसके लिए, सत्र के दौरान तैयार किए गए चार्ट पोस्टर लाना चाहिए। प्रत्येक पहचानी गई समस्याओं के लिए एक उपयुक्त चित्र कार्ड का पता लगाएं। यदि आपको एक उपयुक्त कार्ड नहीं मिलता है, तो आप रिक्त कार्ड पर फोटो ड्रा करें। संभावित समस्याओं के कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं।

बैठक	सत्र	समस्याओं
बैठक 1	सत्र 1 सहभागी सीख–चक्र का परिचय	
	सत्र 2 गॉव के प्राकृतिक, भौतिक संसाधन, सेवाओं की उपलब्धता, और वर्तमान अवस्था की पहचान करना	पानी की कमी जंगल जैसी सामान्य भूमि का क्षरण मृदा अपरदन पारंपरिक ज्ञान की कमी
बैठक 2	सत्र 1 समुदाय के सभी घटकों को जोड़ने की आवश्यकता को समझना	मौसमी प्रवास सरकारी योजनाओं के बारे में ज्ञान की कमी भेदभाव सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ नही मिलना
	सत्र 2 संवैधानिक अधिकार	मौलिक अधिकारों के बारे में ज्ञान की कमी
बैठक 3	सत्र 1 बच्चों की वर्तमान स्थिति	लड़कियॉ की शिक्षा मे भागीदारी बाल विवाह बाल–मजदूरी आंगनवाड़ी व विद्यालय की गुणवत्ता खेलकूद और मनोरंजन के विकास
	सत्र 2 कृषि का महत्व	कृषि–विविधता का नुकसान पारंपरिक बीजों का नुकसान
		कुपोषण
बैठक 4	सत्र 1 लिंग के आधार पर काम की भूमिका	लिंग भेदभाव मुख्यधारा की बैठकों में महिलाओं की भागीदारी
	सत्र 2 भागीदारी	एकता मुख्यधारा की बैठकों में भागीदारी

सत्र 2 विकास सम्बन्धित समस्याओं की प्राथमिकता निर्धारित करना

सुगमकर्ता सभी भागीदारों को बतलाये की वे अब 'वोटिंग का अभ्यास/खेल' खेलेंगे।

सहजकर्ता एक एक समस्या का चित्रकार्ड ले ओर सहभागियों से चर्चा करते हुऐ/उस कार्ड पर लिखी समस्या की याद दिलाते हुऐ उनसे उस समस्या का वर्णन करने के लिये कहे। फिर उस चित्र को घेरे के बीच मे ऐसा रखेंगे की उपर की ओर दिखाई देता रहे। व स्पष्ट रुप से नजर आता रहे।

एकबार सभी कार्ड जमीन पर रखे जा चुके हो तो सुगमकर्ता समझायेगा कि वे एक समूह के रुप मे किस समस्या को और क्यों महत्वपूर्ण मानते हैं, एवं वे उसका समाधान ढूढना चाहेंगे। समुदाय मे कितने लोग उससे प्रभावित हैं इस आधार पर समस्या की गम्भीरता का स्तर निर्धारित होगा ओर सामुहिक रुप से उसका समाधान ढूढना क्यों जरुरी हैं, व कितना सम्भव है।

सभी सदस्यों को छः–छः कंकड़ दिये जावेंगे।

अब भागीदारो से कहा जावेगा कि उनके अनुसार सबसे महत्वपूर्ण समस्या कौन सी हे उस पर तीन कंकड रखना; फिर उससे कम महत्वपूर्ण पर दो कंकड़ ओर उससे कम पर एक कंकड़। समूह सदस्य चित्रकार्ड पर कंकड़ रखने के पूर्व समस्या पर गम्भीरता से विचार करे। इस अभ्यास/खेल मे समूह के अन्य सदस्य उसको प्रभावित करने का प्रयास न करे।

सुगमकर्ता सभी सदस्यों को बतलाये की वे एक एक करके समस्या चित्रकार्ड के पास मे कंकड़ इस तरह रखे की दूसरो को समस्या देखने मे परेशानी न हो।

प्रत्येक सदस्य जब चित्रकार्ड पर कंकड़ रख चुके तो सुगमकर्ता किसी एक सदस्य से प्रत्येक चित्रकार्ड पर रखे कंकड़ों का जोड़ करके बताये।

जिस कार्ड पर सबसे अधिक कंकड़ हो वह समस्या प्राथमिक है फिर उसके बाद, फिर उसके बाद.....। सुगमकर्ता समूह को उनके द्वारा निर्धारित समस्या बतलाये।

वह प्रथम 8 समस्याओं का चयन करे। यदि समस्याऐं एक दूसरे से जुड़ी हुई हो तो कुछ और समस्याओं को भी सम्मिलित किया जा सकता है।

सुगमकर्ता भागीदारियों के साथ चयनित प्राथमिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करें।

भागीदारों द्वारा दी गई जानकारी को सुगमकर्ता लिख ले।

चर्चा के बिन्दु और सिद्धान्त

विचार करें कि चयनित समस्याओं में तीनों मुद्दे शामिल होने चाहिए। निम्नलिखित क्लस्टर पर उन समस्या कार्डों को रखें।

सच्ची खेती

संसाधनो के टिकाऊ विकास से जुड़ी कारक व रुकावटें।

सच्चा बचपन

गॉव मे बाल विकास समिति का गठन और उनकी गतिविधियो

सच्चा लोकतन्त्र

विभिन्न समितियों के बारे मे जानकारी लेना।

बैठक संख्या 6

विषय	समस्याओं का पुनरावलोकन और उपयुक्त रणनीति का चयन
प्रक्रिया	समूह में चर्चा, पुल बनाने का खेल'
समय	3 घंटे
उद्देश्य	किसी समस्या की जड़ में जाना और उसका समाधान निकालना जिम्मेदारी लेना

सभी का स्वागत करने के पश्चात् सुगमकर्ता सहभागियों से पूर्व की बैठकों के चर्चा के बिन्दुओं को दोहराने का प्रयास करे।
सुगमकर्ता लोगो को बतलाये की समूह अब 'पुल बनाने का अभ्यास' करेगा।
सुगमकर्ता भागीदारों से कहे की वे कल्पना करेंकि वे एक नदी के किनारे पर खड़े हैं जो की ग्राम मे सुविधाओं, सेवाओं तक पहुँच, शिक्षा, आजीविका और स्वास्थय की वर्तमान स्थिति को बतलाता है। वह जमीन पर एक ईंट रखेगा/रखेगी।

अब सहजकर्ता अन्य ईंट को कुछ दूरी पर रखे, जो नदी का दूसरा किनारा दर्शाऐ, जो कि वह स्थिति है जो जहाँ समूह ग्राम के समाज को विकास की उन्न्त स्थिति में ले जाना चाहता है।

इस कार्य मे नदी एक रुकावट है, जो उन्हे वहॉ जाने से रोकती हे जहॉ वे जाना चाहते हैं।

इस रुकावट को हटाने या पार करने के लिये समूह को एक पुल बनाने की आवश्यकता होगी, जो यह बतलायेगा कि क्रियान्वन के लिये क्या रणनीति होगी।

सुगमकर्ता दो डण्डे इन ईटों के उपर रख देता है जोकि समूह की ताकत को दर्शाता है, जो रणनीतियों को क्रियान्वित करने के लिये आधार देता है।

अब समूह के सदस्य इन दोनो डण्डियों पर छोटी–छोटी पटिट्याँ रखते हैं जोकि एक–एक रणनीतियों का प्रतीक है।
अब, अंतिम सत्र में चुने गए 10 समस्या कार्ड लें।

सुगमकर्ता प्रत्येक समस्या कार्ड, भागीदारों को देगा और पूछेगा की क्या वे समझते है कि चित्र मे दर्शाई गई समस्या क्या है? वह उन्हे आपस मे चर्चा करने का अवसर दे। यदि वे किसी चित्र को समझ नही पा रहे हैं तो उन्हे समझायेगा की चित्र मे दर्शाई समस्या क्या है।
यह भी पुछे की उनके समुदाय मे समस्या कितनी गम्भीर है, कितने लोग उससे प्रभावित है।

समाधान का पता लगाने के लिए और रणनीति की पहचान के लिये सुगमकर्ता पूछेगा की 'परन्तु कैसे?' जैसे :

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से परिणाम नहीं मिल रहा है
लेकिन हम परिणाम कैसे प्राप्त कर सकते हैं?
हमें योजनाओं में खुद को पंजीकृत करने की आवश्यकता है।
लेकिन हम खुद को कैसे पंजीकृत कर सकते हैं?
हमें संबंधित कार्यालय में जाने की आवश्यकता है।
लेकिन हम कैसे जानते हैं कि संबंधित कार्यालय कौन सा है?
हमें योजना के बारे में जानने की जरूरत है।
लेकिन हम योजनाओं के बारे में कैसे जानते हैं?
हमें इस पर एक बैठक करनी चाहिए और पढ़ने के लिए सामग्री या दीवार लेखन की आवश्यकता है।

प्रत्येक समस्या के लिये सुगमकर्ता यह चर्चा करेंगे की भागीदार के लिये क्या रुकावट बनती हैं और उनकी सामुहिक ताकत क्या है? और सोचना की क्या यह एक सफल रणनीति है?

जब समूह एक रणनीति के क्रियान्वन को निश्चित करता है तो वह पुल पर एक पटिया लगाता है।

ऐसे ही एक–एक रणनीति के क्रियान्वन को निश्चित करते जाते है और पटिया लगाते जाते हें और पुल पूरा हो जाता है।
एकबार जब सहजकर्ता पूरी तरह से निर्मित पुल सबको दिखलाता है और प्रत्येक डण्डी और पटिट्यो का वर्णन करता है ।

चर्चा के बिन्दु और सिद्धान्त

8–10 समस्याओं पर विचार करते हुए, हम इस खेल के माध्यम से उन्हें हल करने के लिए कार्यवाहियों का पता लगाएंगे। उसको लिखते समय, हम यह भी चर्चा करेंगे कि हम क्या परिवर्तन देखना चाहते हैं और कौन क्या करेगा और कब करेगा। समूह को इस बात के लिये संगठित करे की वे गॉव के विकास के लिये एक स्थायी कोर समिति का गठन करे और आने वाले समय मे एक–एक विषय को लेते हुऐ रणनीति तैयार करते जावें। प्रत्येक सदस्य को कोई ना कोई जिम्मेदारी दी जावे। समूह मे चर्चा हो कि वे आगे कैसे बढ़ेंगे कि उन्हे अन्य सदस्यों व गैर सदस्यों से पर्याप्त समर्थन/मदद मिल सके।

यह भविष्य की अनुवर्ती आने वाली बैठकों के लिए संदर्भ बिंदु होगा।

	गॉव की प्रमुख समस्याऐं	सम्भावित समाधान	हम क्या परिवर्तन देखना चाहते हैं	कौन क्या करेगा और कब करेगा

बैठक संख्या 7, 8, 9, 10

विषय	समस्याओं का पुनरावलोकन और उपयुक्त रणनीति का चयन
प्रक्रिया	समूह में चर्चा
समय	3 घंटे
उद्देश्य	किस समस्या पर क्या रणनीति बनाई गई है और उस पर क्या प्रगती चल रही है।

सभी का स्वागत करने के पश्चात् सुगमकर्ता सहभागियों से पूर्व की बैठकों के चर्चा के बिन्दुओं को दोहराने का प्रयास करे। प्रत्येक रणनीति के लिये निम्नलिखित विस्तृत विवरण की चर्चा करें

- गतिविधि कब शुरू हुई
- किसने मदद की
- क्या कोई परेशानी थी?
- वो कैसे दूर हुई
- योजना में कोई बदलाव
- इसके कियान्वन की जिम्मेदारी कौन लेगा?
- क्या उन्हे समूह के अतिरिक्त अन्य लोगो को भी सम्मिलित करना पड़ेगा? वे ऐसा चाहते हैं क्या? अन्य लोगो को 'सम्मिलित करना व्यवहारिक है क्या? और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

- यदि रणनीतियों के क्रियान्वन मे कोई समस्या आई तो उन्हे क्या करना पड़ेगा?
- गतिविधि को पूरा करने में कितना समय लगेगा
- उन्हें क्या मदद चाहिए?

सुगमकर्ता समूह के साथ मिलकर निम्नलिखित तालिका का प्रयोग करते हुऐ इसका रिकार्ड रखे और सुनिश्चत करे की समूह का कोई सदस्य भी इसका रिकार्ड बनाये की किस समस्या पर क्या रणनीति बनाई गई है और उस पर क्या प्रगती चल रही है।

	गॉव की प्रमुख समस्याऐं	सम्भावित समाधान	क्रियान्वित की जाने वाली	क्रियान्वित की प्रगति	रिमार्क टिप्पणी

बैठक संख्या 10: ग्राम स्तरीय विचार विमर्श कर बैठक की योजना बनाना

सहजकर्ता, रणनीति करे उचित क्रियान्वन के लिये एक सामुदायिक बैठक की आवश्यकता पर चर्चा करे। सुगमकर्ता समूह को सम्पूर्ण ग्रामसमुदाय के साथ विचार विमर्श के लिये तैयार करें जिसमे वे अपना अनुभव गॉव के सामने रखेंगे। वह इन्हे इस बात के लिये प्रेरित करे कि वे इस कार्य हेतु क्या तरीका अपनाना चाहते हैं, अपना सुझाव दें, और निम्न बातों का ध्यान रखे।

- वे इस प्रस्तुती बैठक को कब करना चाहते हैं (तारीख/समय)
- वे इस बैठक को कहॉ करना चाहते हैं? (विद्यालय मे/खुले मैदान मे/सामुदायिक भवन/ पंचायत इत्यादि।
- वे इस बैठक मे किस–किस को बुलाना चाहते हैं? (स्थानीय सरकारी कर्मचारी, अन्य स्वास्थकर्मी, ग्राम नेता, आँगनबाड़ी, पड़ोसी गॉव के लोग, अध्यापक इत्यादि)
- निमन्त्रण या बुलावा भेजने की जिम्मेदारी कौन लेगा?
- बुलावा कैसे भेजा जावेगा? पत्र द्वारा या परम्परागत विधि से!
- क्या–क्या संसाधन की आवश्यकता होगी (बैठक व्यवस्था, आहार, पानी आदि) उनकी व्यवस्था कैसे की जावेगी?
- सीख को लोगो तक पहुॅचाने के लिये वे क्या तरीका अपनायेंगे? (कथा, नुक्कड़ नाटक, नाच, चित्रकार्ड, गीत–संगीत आदि)
- इसके लिये सुगमकर्ता से क्या मदद चाहिये? (कहानी लेखन, नाटक मे अभ्यास मे, पूर्व बैठक की चर्चा के लिये इत्यादि)
- सुगमकर्ता समूह सदस्यों को भागीदारी व जिम्मेदारी लेने के लिये प्रेरित करे।
- प्रस्तुती का तरीका सरल हो जिससे सभी समझ सके, प्रस्तुती स्थानीय भाषा मे हो।
- सुगमकर्ता समूह को मदद करे (नाटक के अभिनय, आवाज मॉ ड्यूलेशन को साफ करने मे व स्पष्टता विकसित करने मे।
- समूह को स्थान बैठक व्यवस्था स्टेज इत्यादि निश्चित करने मे सुगमकर्ता की मदद की आवश्यकता होगी।

बैठक संख्या 11

विषय	विचार विमर्श बैठक
प्रक्रिया	समूह में चर्चा
समय	3 घंटे
उद्देश्य	सेवा प्रदाताओं के साथ समुदाय द्वारा सत्र के दौरान सीखी बातों और उन पर बातचीत की गयी गतिविधियों का प्रदर्शन।

बैठक के आयोजन के पूर्व कुछ महत्वपूर्ण बिन्दु

- बैठक मे समूह सदस्य पिछले कुछ माह मे उनके द्वारा किये गये कार्या व चर्चाओं का सार प्रस्तुत करेंगे, और उनके द्वारा चुनी गई रणनीतियों को समुदाय के अन्य सदस्यों के बीच बाटेंगे। जैसे ग्राम मुखिया, सरकारी अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, स्वास्थय कार्यकर्ता ओर अन्य लोग जिन्होने बैठकों मे भाग नही लिया है।
- इस बैठक की तैयारी के दौरान सुगमकर्ता–सदस्यों को पटकथा लेखन, अभिनय के अभ्यास मे मदद करेंगे।
- मंच के पीछे की साज–सज्जा के लिये सदस्य स्थानीय सामग्री जैसे साड़ी, चादर आदि का प्रयोग कर सकते हैं। और बैठने की व्यवस्था के लिये चटाई या अन्य स्थानीय सामग्री काम मे ले सकते हैं।
- बैठक की कार्यवाही के लिये सुगमकर्ता किसी समूह सदस्य को प्रेरित करे।

इस बैठक को आयोजित/संचालन करने का कोई निश्चित तरीका नही है, फिर भी निम्नलिखित बिन्दु उपयोगी होंगे।

- सामुदायिक बैठक का आयोजन एक त्यौहार के रुप मे होना चाहिये।
- बैठक मे समूह सदस्य पिछले एक साल की गतिविधियों के बारे मे समुदाय के सदस्यों एवं विभिन्न सरोकारियों को बतलायेंगे कि कैसे उन्होने समस्याओं की प्राथमिकता निर्धारित की, रणनीतियों को तय किया।
- सदस्य अपनी पूर्व की बैठको के फोटो व चित्रकार्ड लगा सके (साड़िया, चादर) आदि का प्रयोग सजावट के लिये करें जिससे कि लोग उनकी बात समझ सके।
- व्यवस्था ऐसी हो कि वहॉ उपस्थित हर कोई व्यक्ति ठीक से बैठ सके, चर्चा को देख सुन, और समझ सके।
- बैठक सरल एवं सहज हो अधिक लम्बी न चले, समुह के कुछ सदस्य मुख्य बिन्दुओं को अपनी डायरी मे लिख लेवे।

प्रक्रिया

- शुरुआत 'स्वागत गीत' के साथ की जा सकती है, फिर सभी को आने के लिये धन्यवाद करते हुए, कार्यक्रम की जावकारी दें।
- अभी तक हुई सभी बैठकों के बारे मे संक्षिप्त चर्चा करें जिससे की श्रोता पूरी प्रक्रिया को समझ सके।
- समूह के सदस्य प्राथमिक समस्या, चिन्हित रुकावटें, समस्या से मुक्ति पाने के लिये चयनित रणनीति और अपने संसाधनों पर चर्चा करेंगे। सूचनाओं को प्रस्तुत करते समय वे सरोकारियों की पहचान करेंगे जो उन्हे क्रियान्वन मे मददगार हो सकते है।
- सामुदायिक बैठक की समाप्ति पर सरोकारियों से अनुभव बांटने के लिये कहे, ये अनुभव सुगमकर्ता द्वारा लिखे जा सकते हैं। बाद मे उसे याददास्त के रुप मे याद किया जा सकता है।

बैठक संख्या 12

विषय	सहभागी सीख चक्र का मूल्यांकन
प्रक्रिया	वोटिंग के अभ्यास से पीएलए सीख–चक्र का चरण अनुसार मूल्यांकन
समय	3 घंटे
उद्देश्य	पीएलए सीख–चक्र के अनुभव को बाटॅना, सीख–चक्र का चरण अनुसार मूल्यांकन जुड़ाव गतिविधि के प्रभाव का मूल्यांकन, स्थायी जुड़ाव प्रक्रिया के लिये योजना बनाना

सत्र 1: सभी बैठकों के प्रवाह को याद करना व अनुभव बाँटना

- सुगमकर्ता सभी सहभागी सदस्यों से कोई एक याद रहने वाले अनुभव को सबके साथ बाटनें के लिये कहें।
- गतिविधियों को देखकर, वह उनसे जानना चाहेगा की क्या कोई ऐसी घटना बताये जो विशिष्ट है और हमेशा याद रखने योग्य हो। कोई ऐसी बात जिसने उनके दिल को छुआ हो या जो उनके जीवन के परिवर्तन का मोड़ है।
- सुगमकर्ता– सभी भागिदारो से निम्नलिखित बाते ध्यान मे रखते हुऐ अपने अनुभव संक्षिप्त मे बताने के लिये कहे;
  - उस समय क्या हुआ? कौन–कौन लोग उपस्थित थे? उन्हे कैसा लगा?
  - वहॉ किसने मदद की और कैसे? उन्होने क्या किया?
  - वह क्या है जिसने इसे यादगार अनुभव बना दिया?
- सुगमकर्ता इन सबको अपनी डायरी मे नोट करे और सभी भागीदारों को अपने मूल्यवान अनुभव बाँटने के लिये धन्यवाद करे।

सत्र 2: चरण अनुसार मुल्यांकन

सुगमकर्ता तीनो चरणो की प्रत्येक बैठक को दर्शाते हुऐ एक चार्ट तैयार करे। बैठक मे आये प्रत्येक समुदाय सदस्य को एक–एक पत्थर/बीज दिया जावेगा कि वे चार्ट मे उस स्थान पर रखे जो प्रत्येक चरण मे उनकी प्राथमिकता मे था। सभी सदस्यों द्वारा अपनी प्राथमिकता दर्शाने के बाद समूह से जानना चाहेगा कि;

- उन्हें वह बैठक क्यों पसंद आई थी? उस बैठक से उन्होने क्या सीखा ?
- क्या उस सीख से उनके समूह के व्यवहार मे कोई बदलाव आया? यदि हॉ तो किस तरह का है?
- क्या कोई बैठक है जिसमें कुछ बदलाव की जरूरत है

सत्र3: समूह द्वारा किये गये कार्यों का मूल्यांकन एवं उनका प्रभाव

निम्नलिखित प्रश्नों के माध्यम से सुगमकर्ता, समूह द्वारा किये गये कार्यों का मूल्यांकन करेगा।

- क्या समूह से जुड़ने से सदस्य के व्यवहार पर असर किया है? (अभ्यास, आत्मविश्वास और रवैया/मानस या मनोभाव को गहनता से जाने) यदि हॉ तो कैसे? किससे इसमे मदद मिली और किससे रुकावट हुई।
- क्या सदस्य ऐसा सोचते है कि उन्होने समुदाय के अन्य सदस्यों के व्यवहार को प्रभावित किया है?
- उनमे से कितनो ने इस सीख के चक्र मे नियमित रुप से भागीदारी की हिस्सा लिया? किस चित्र ने उन्हे आर्कषित किया/लुभाया/प्रभावित किया है? और क्यों?
- प्राथमिकता प्राप्त समस्याऐं क्या थी?
- उन्होने क्या रणनीतियॉ बनाई है?
- क्या वे रणनीतियों को क्रियान्वित कर सके? उन्हें किन–किन सरोकारियों से मदद मिली?
- क्या वे उपलब्ध सरकारी संसाधनो/योजनाओं व कार्यक्रमो का उपयोग कर पाये सहभागी इसमे स्कोर कार्ड भरने का अभ्यास कर सकते है।
- चिन्हित समस्या को दूर करने के लिये चयनित रणनीति कितनी सफल/असफल रही?
- और क्या–क्या करने की आवश्यकता है? समुदाय क्या सोचता है कि वे भविष्य मे मिलजुलकर और क्या–क्या कर सकते हैं?
- सुगमकर्ता समूह के साथ चर्चा करके यह भी जानना चाहेगा कि क्या वे एक समूह के रुप मे मिलकर चर्चा को आगे भी निरन्तर रखना चाहेंते हैं? यदि हॉ तो उसको कैसे करेंगे और उसका क्या स्वरुप होगा?
- यह भी चर्चा की जावेगी की समूह मे कौन व्यक्ति क्या–क्या भूमिका निभायेगा?

चर्चा के बिन्दु और सिद्धान्त

सच्ची खेती

सच्ची खेती के प्रयोगों और प्रर्दशन के लिये अगुआ किसानों का चयन व किसान–खेत पाठशाला से जुड़ाव।

सच्चा बचपन

क्या हमारे द्वारा किये गये कार्यो या व्यवस्थाओं से बच्चो के लिये कुछ अच्छे अवसर प्राप्त हुऐ हैं या हो रहे हैं?

सच्चा लोकतन्त्र

गॉव मे कौन–कौन से परिवार ने सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लिया है।

समूह द्वारा किये गये सभी कार्यो का सार सुगमकर्ता प्रस्तुत करे और उन्हें प्रेरित करे कि वे आगे भी इस अच्छे व महत्वपूर्ण कार्य को करते रहें, भले ही अब वह स्वयं उनके साथ आगे के कार्यों मे नियमित रुप से भागीदारी नही कर पायेंगे। ग्राम मे सतत विकास के लिये समय समय पर उनके द्वारा किये गये कार्य और दी गई मदद के लिये वह सभी सरोकारियों का धन्यवाद करें और समूह को आगे भी इस कार्य के लिये मदद जारी रखने के आग्रह करे। वह उन्हें यह विश्वास दिलावे कि वे इस समय मे सीखी गई बातों और आपस मे मिलकर ग्रामविकास की स्थिति मे व्यापक बदलाव ला सकते हैं।

अतिरिक्त1

विभिन्न विभागों के साथ किये जा सकने वाले कार्य के उदाहरण

कृषि विभाग
जिला कृषि कार्यालय और नोडल कृषि अधिकारी कार्यालय

- विकासखण्ड कृषि अधिकारी से चर्चा
- विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों की सूचि तैयार करना
- लाभार्थियों से चर्चा करना

ग्रामीण विकास
विभाग पंचायत समिति, जिला पंचायत कार्यालय एवं ग्रामसेवक

- सदस्यों की एप्लीकेशन तैयार करवाना
- वार्षिक योजना मे कार्य डलवाना

पशुपालन विभाग

- पशुचिकित्सालय जाकर योजनाओं की जानकारी एकत्र करना
- विभिन्न योजनाओं के लिये प्रार्थना पत्र एकत्र करना
- सदस्यों की जानकारी लेकर फार्म भरवाना
- पशु–चिकित्सा शिविर का आयोजन व जागरुकता से भागीदारी बढ़ाना

शिक्षा

- विद्यालय भ्रमण कार्यक्रम एवं सुविधाओं का आंकलन
- वर्गवार बच्चों की जानकारी एकत्र करना
- बच्चो के साथ चर्चा का कार्यक्रम आयोजित करना
- उच्च शिक्षा से जुड़े बच्चों से चर्चा

पेयजल व्यवस्था

- फलानुसार पेयजल की स्थिति पर जानकारी जुटाना
- पेयजल उपलब्धता का वार्षिक केलेन्डर तैयार करना
- पेयजल व्यवस्था का प्रतिवेदन तैयार करके विभाग मे मॉग रखना
- पानी के स्त्रोत का नमूना एकत्र करके उसका परिक्षण करवाना
- गॉव के सभी हेण्डपम्प ठीक करवाना

VAAGDHARA

वागधारा

मुख्य कार्यालय : मुकाम पोस्ट कुपड़ा, बाँसवाड़ा, राजस्थान पिन कोड : 327001

फोन : +91-9414082643 फेक्स : +91-9024573411 ई-मेल : vaagdhara@gmail.com

वेबसाईट : www.vaagdhara.org